that the transmission tlm~e in respect of children's programmes needs to be increased and adequate facilities made available for production of such programmes. This recommendation has been accepted by the Government.

(b) The responsibility for maintenance of community viewing TV 6ets including those installed in schools is primarily the responsibility of the State Governments/Unon Territory Administrations concerned. However, in some cases, maintenance is looked after by Doordarshan, which has been provided adequate facilities, to ensure their proper functioning.

(c) There is "ho such proposal is at present.

प्रतिभूति कागज मिल में उत्पादकता बोनस

1847. **श्री कैलाशपति मिश्र :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1973 से प्रतिभूति कागज मिल में प्रोत्साहन उत्पादकता बोनस दिया जाता रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि मिल में एक सप्ताह में कार्य के घंटों की संख्या 44 है, यदि हां, तो प्रतिभूति कागज मिल में कार्य के घंटों की संख्या चार और घंटे निश्चित करने के क्या कारण है ; और

(ग) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों से लगभग 150 दैनिक वेतन पाने वाले कर्मकार प्रतिभूति कागज मिल में कार्य करते आ रहे हैं, यदि हां, तो उन्हें नियमित आधार पर नियुक्त न किये जाने के क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) प्रतिभूति कागज मिल में एक सामूहिक प्रोत्साहन योजना जून, 1972 में प्रारम्भ की गई थी । इसे अब अगस्त, 1985 से वापस ले लिया गया है ।

(ख) चूंकि कागज का उत्पादन एक लगातार जारी रहने वाली प्रक्रिया है, मिल में आठ-आठ घंटे की तीन पारियों में कार्य करने की आवश्यकता होती है जिसके फलस्वरूप प्रति सप्ताह प्रति पारी 48 घंटे काम होता है ।

(ग) प्रतिभूति कागज मिल में 55 दैनिक वेतन पाने वाले कामगार हैं जो पिछले तीन वर्षों से वहां काम कर रहे हैं उनको नियमित करने का प्रश्न, कार्य का मूल्यांकन करने, मानदण्ड निर्धारित करने और प्रोत्साहन योजना तैयार करने के लिए गठित अध्ययन दल की सिफारिशों के कार्यान्वियन के साथ जुड़ा हुआ है । प्रबंधकों और कर्मचारी संघ के बीच समझौता न हो पाने के कारण सिफारिशों का कार्यान्वियन सम्भव नहीं हो सका है ।

प्रतिभूति कागज मिल में जलाये गये कागजों की मात्रा

1848. **श्री कैलाशपति मिश्र :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रति दिन भारत सरकार की इजाजत से प्रतिभूति कागज मिल में लगभग तीन टन कागज जलाया जाता है और लगभग 300 टन करोड़ रुपए मूल्य के कागज का करेंसी नोट छापने के लिए आयात किया जाता है और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या नष्ट किए जाने वाले कागज को फिर से लुगदी में बदल कर पुनः संसाधित किया जा सकता है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) चूंकि प्रतिभूति कागज का स्वदेशी उत्पादन आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है इसलिए पिछले तीन वर्षों के दौरान लगभग 484 लाख पौंड स्टर्लिंग मूल्य का

कागज आयात किया गया है । प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद में उत्पादन होने के बाद बचे हुये खराब कागज के अधिकांश भाग की फिर से लुगदी बनाई जाती है । खराब हुये कागज के केवल उसी भाग को आजकल जलाया जाता है जिसे पुन: संशोधित नहीं किया जा सकता, और यह प्रतिदिन 600 किलोग्राम के लगभग होता है। लुगदी तैयार करने वाली एक उपयुक्त मशीन प्राप्त करने के लिए कार्यवाही की जा रही है जिसके संस्थापित हो जाने के पश्चात् खराब कागज के समस्त भार की लुगदी तैयार की जा सकेगी ।

प्रतिभूति कागज मिल का आधुनिकीकरण

1849. **श्री कैलाशपति मिश्र :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रतिभूति कागज मिल को करेंसी नोटों के लिए कागज निर्माण क्षमता को दुगना करने की दृष्टि से वर्ष 1982 में आधुनिक बनाया गया था ; और यदि हां, तो इसके परिणामस्वरूप क्या उपलब्धियां रही हैं ;

(ख) क्या किसी प्राइवेट स्टडी कमेटी ने मिल के आधुनिकीकरण के समय कर्मचारियों की कार्यक्षमता का मूल्यांकन किया था; यदि हां, तो समिति के निष्कर्षों को अभी तक लागू न किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या मजदूर संघों ने प्राइवेट स्टडी समिति के बारे में प्रबन्धकों को कोई ज्ञापन दिया था ; और

(घ) यदि हां, तो इसके अभी तक लागू न किये जाने के क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) वार्षिक उत्पादन क्षमता 3400 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 6000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष करने के उद्देश्य से अगस्त, 1983 में प्रतिभूति कागज कारखाने का आधुनिकीकरण किया गया था । किन्तु वास्तविक उत्पादन क्षमता से कम रहा है और इस वर्ष उत्पादन 3,800 मीट्रिक टन होने की आशा है ।

(ख) आधुनिकीकरण कारखाने में कार्य का मूल्यांकन करने, मानदण्ड निर्धारित करने और प्रोत्साहन योजना तैयार करने के लिए एक अध्ययन दल नियुक्त किया गया था । इसकी सिफारिशों, प्रबन्धकों और कर्मचारी संघ के बीच समझौता न हो पाने के कारण कार्यान्वित नहीं की जा सकीं ।

(ग) और (घ). बहुत समय तक समझाने-बुझाने के पश्चात् कर्मचारी संघ ने अपनी मांगें रखीं, जो कि अवास्तविक पायी गयी और इसलिये स्वीकार करने योग्य नहीं थीं ।

करेंसी नोटों के कागज का उत्पादन

1850. **श्री कैलाशपति मिश्र :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आधुनिकीकरण के पश्चात् करेंसी नोटों के कागज का उत्पादन करने वाली प्रतिभूति कागज मिल की प्रतिवर्ष औसत उत्पादन-क्षमता कितनी रही है ; और

(ख) क्या वास्तविक उत्पादन अधिष्ठापित क्षमता के मुकाबले कम है, और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) आधुनिकीकरण के पश्चात् प्रतिभूति कागज मिल की वार्षिक औसत उत्पादन क्षमता 6,000 मीट्रिक टन है ।

(ख) आधुनिकीकरण मिल में कार्य मूल्यांकन, मानदण्ड निर्धारण और प्रोत्साहन योजना बनाने के लिए एक अध्ययन दल की नियुक्ति की गई थी । प्रबंधकों और श्रमिक संघ के बीच समझौता न हो पाने के कारण उनकी सिफारिशों को क्रियान्वित नहीं किया जा सका । अतएव, वास्तविक उत्पादन अधिष्ठापित क्षमता के मुकाबले में कम है और इस वर्ष इसके 3,800 मीट्रिक टन हो जाने की संभावना है ?